रोती हुई आँखों को | by Reshmi Sharma

रोती हुई आँखों को मेरे श्याम हसाते है,
जब कोई नहीं आता मेरे श्याम ही आते है,
रोती हुई आँखों को .....

जिन नजरो को बाबा इक आंख न भाता था,
करते थे सभी पर्दा जब मैं दिख जाता था,
अब वो ही गले लग कर अपनापन जताते है,
जब कोई नहीं आता मेरे श्याम ही आते है,
रोती हुई आँखों को .....

सब ने हस्ता देखा मेरे घाव नहीं देखे,
उचाई दिखी सब को मेरे पाँव नहीं देखे,
उस मंजिल को पाने में छाले पड़ जाते है,
जब कोई नहीं आता मेरे श्याम ही आते है,
रोती हुई आँखों को .....

अपनों के सभी रिश्ते फीके पड़ जाते है,
जब शाख़ से पैसो के पते झड़ जाते है,
मतलब से सभी माधव यहाँ रिश्ता निभाते है,
जब कोई नहीं आता मेरे श्याम ही आते है,
रोती हुई आँखों को .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a5%8b%e0%a4%a4%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%81%e0%a4%88-%e0%a4%86%e0%a4%81%e0%a4%96%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a5%8b-by-reshmi-sharma/